

18.7.2023 पत्रावली वकील वादी के द्वारा
 पत्र के शीर्षक पेशी तारीख
 पर ली गई। वकील वादीगण
 की शर्त से जमाना पत्र वाले-
 वाद विद्वां करते कायत, जैसा
 किया, जो शीर्षक पत्रावली हों।
 जमाना पत्र पर रजुना भी
 और पत्रावली का अवलोकन किया
 कि पत्रावली के पत्र शीर्षक
 कायत से वादीगण है भी
 है और वादीगण स्वयं अपना
 वाद शर्त चलाया नहीं करते
 हैं और वाद शर्त चलाये के
 लिये पर ही विभागीय है।
 ऐसी शर्त में वादीगण का पत्र
 जमाना पत्र स्वीकार किया जाये
 वादीगण का वाद शर्त लिये
 पर स्विकार किया जाता है।
 पत्रावली केवल रजुना ही
 वादीगण दफ्तर हों।
 (सिद्ध धारा)

